गौवंश में लम्पी स्किन बीमारी पर निगरानी के लिए अफसरों को फील्ड में भेजा

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने गाढ़वाला स्थित सोहनलाल बूला देवी ओझा गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में लम्पी स्किन रोग से ग्रसित गायों के लिए अलग से बनाये गए बाड़े (आइसोलेशन सेंटर) का अवलोकन किया। जिला कलेक्टर ने दवाईयों की उपलब्धता एवं रोग ग्रस्त पशुओं की स्थिति की जानकारी ली।

जिला कलेक्टर ने कहा कि लम्पी स्किन डिजीज के मद्देनजर गौशालाओं में पूर्ण सावधानी रखी जाए। उन्होंने बताया कि राजीविका की पशु सखियों, कृषि पर्यवेक्षकों और सहायक कृषि अधिकारियों के माध्यम से लम्पी स्किन के लक्षण, बचाव के उपाय तथा दुष्प्रभावों के बारे में गांव-गांव में जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक उपखंड अधिकारी को क्षेत्र में प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों को सभी गौशालाओं का निरीक्षण तथा नॉर्म्स के अनुसार सावधानी बरतने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला, उपखण्ड और तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गए हैं। पशुपालक किसी भी प्रकार की जानकारी तथा मार्गदर्शन के लिए नियंत्रण कक्ष में संपर्क कर सकता है। इस दौरान कृषि विभाग के उपनिदेशक कैलाश चौधरी उपस्थित थे। गौवंश में वायरस जनित लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति की समीक्षा के लिए जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल के निर्देशानुसार पूगल, छतरगढ़, श्रीकोलायत, बज्जू व लूणकरनसर क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

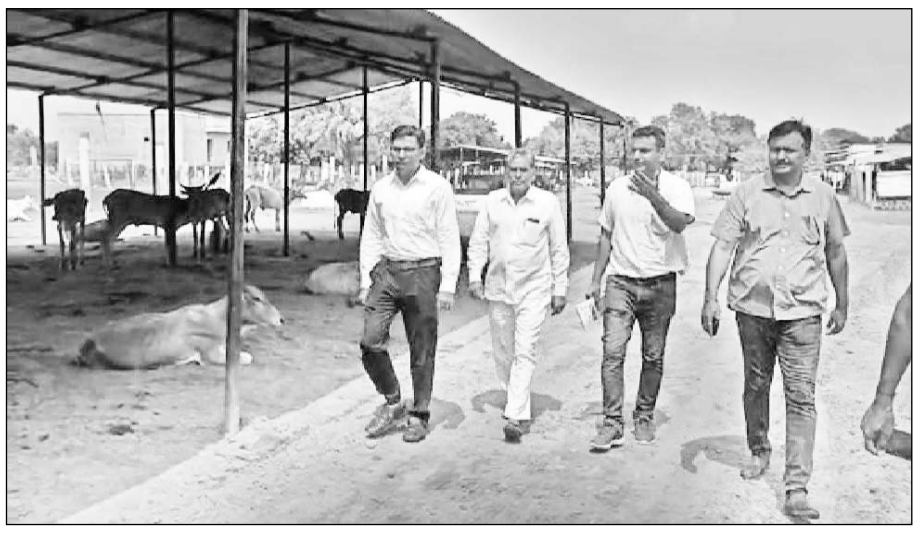

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने गौशाला का निरीक्षण कर गौवंश में फैल रहे लम्पी त्वचा रोग के बारे में जानकारी ली।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने श्रीकोलायत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) ओमप्रकाश ने पूगल व छतरगढ़, महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक शारदा चौधरी ने लूणकरनसर तथा उपनिवेशन विभाग के उपायुक्त कन्हैयालाल सोनगरा ने बज्जू में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों की बैठक ली। अधिकारियों द्वारा संक्रमण की स्थिति, उपचार, दवाओं की उपलब्धता व रोकथाम के लिए जनजागरूकता गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

इस दौरान अधिकारियों ने पशुपालकों के घरों का दौरा भी किया। स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अधिकारियों को सतत रूप से फील्ड में रहने के निर्देश दिए गए। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने कहा कि लम्पी डिजीज से संक्रमित पशुओं की सूचना तुरंत प्रशासन को दी जाए तथा इन पशुओं को आइसोलेट किया जाए।

- **कलेक्टर के निर्देश पर अफसरों ने श्रीकोलायत पूगल, लूणकरनसर छतरगढ़, बज्जू क्षेत्र का जायजा लिया**
- **लम्पी स्किन के लक्षण, बचाव के उपाय तथा दुष्प्रभावों के बारे में गांव-गांव में जानकारी दी**

अधिकारियों ने नियंत्रण कक्ष के सुचारू रूप से कार्य करने तथा कंट्रोल रूम व पशु चिकित्सकों का मोबाइल नम्बर आमजन के लिए उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संक्रमित स्थलों पर नियमित छिड़काव के लिए भी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग के अधिकारी भी लम्पी स्किन डिजीज के प्रति गांव-गांव में जागरूकता का अभियान चलायेंगे।

सीएमएचओ डॉ. एम. अबरार ने कार्यभार संभाला

बीकानेर,(कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में हुए बड़े फेरबदल के चलते डॉ. एम. अबरार पंवार बीकानेर सीएमएचओ बन गए हैं। इससे पूर्व वे फोर्ट डिस्पेंसरी में प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद पर कार्यरत थे। डॉ पंवार लम्बे समय तक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संख्या एक अणचा बाई अस्पताल मे सेवाएं दे चुके हैं।

डॉ. पंवार ने स्वास्थ्य भवन पहुंचकर कार्य ग्रहण कर लिया। उन्होंने संयुक्त निदेशक बीकानेर जोन डॉ देवेन्द्र चौधरी के समक्ष अपनी उपस्थिति प्रस्तुत की। इस अवसर पर उप निदेशक डॉ राहुल हर्ष, आरसीएचओ डॉ राजेश कुमार गुप्ता, डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ योगन्द्र तनेजा, डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ लोकेश गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। उन्होंने स्वास्थ्य भवन प्रांगण में पौधरोपण कर कार्य की शुरुआत की।

डॉ पंवार ने सबको साथ लेकर प्रशासन से जिले के स्वास्थ्य परिदृश्य में अमूल-चूल सुधार की बात कही। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय नवाचार पुकार अभियान व शक्ति अभियान को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ाया जायेगा। कोविड टीकाकरण, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ अधिकाधिक आमजन को दिलाना है।

सार-समाचार

शिक्षक संघ ने मांगों का ज्ञापन सौंपा

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील की प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार संगठन के 21 सूत्री मांग पत्र एवं तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया को लेकर आज आंदोलन के द्वितीय चरण में संगठन के प्रदेश महामंत्री यतीश वर्मा एवं संगठन के प्रदेश सलाहकार मंडल के अध्यक्ष सुभाष आचार्य के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश से मिलकर संगठन का मांग पत्र और ज्ञापन सौंपा। संगठन की प्रमुख मांगों में राजस्थान के कार्मिकों के लिए समान काम समान वेतन की नीति लागू कर पूर्व के वेतनमान में उत्पन्न विसंगतियों का निराकरण करना, पारदर्शी स्थाई शिक्षक स्थानांतरण नीति नियम जारी करना, तृतीय श्रेणी, द्वितीय श्रेणी एवं व्याख्याताओं की वेतन विसंगतियों को दूर करना, महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति आरपीएससी के माध्यम से अलग कैडर बनाकर करना, विद्यार्थी हित में शिक्षा सेवा नियम 2021 जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर में समान विषयों के शिक्षकों को पदोन्नति किया जाए। वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पद पर पदोन्नति में नए सेवा नियम 2021 को लागू करने की तिथि पूर्व में डिग्री प्राप्त यूजी-पीजी उत्तीर्ण शिक्षकों को व्याख्याता पद पर पदोन्नति का लाभ दिया जाए। अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अनुसार विद्यालयों में शिक्षक छात्र अनुपात कक्षा कक्ष वार किया जाए। समग्र शिक्षा अभियान का मुख्यालय बीकानेर करना आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में डूंगरगढ़ से तहसील अध्यक्ष जयप्रकाश कस्बा, बीकानेर शहर अध्यक्ष अजय भाटी, जिला मंत्री गोविंद भार्गव, कोलायत तहसील अध्यक्ष रामरतन उपाध्याय, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरुप्रसाद भार्गव, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम, प्रांतीय प्रतिनिधि मोहम्मद इलियास जोईया, बीकानेर शहर उपाध्यक्ष गौतम जाजड़ा, खाजूवाला तहसील सभाध्यक्ष राजकुमार ओझा आदि शिक्षक नेता नेता शामिल थे।

लम्पी स्किन रोग की रोकथाम जारी

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान के विभिन्न जिलों में गायों में फेल रहे लम्पी वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु वेटरनरी विश्वविद्यालय ने अपने प्रयास तेज कर दिये हैं। कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग ने बताया कि लम्पी वायरस का संक्रमण धीरे-धीरे राज्य के सभी जिलो में फैल रहा है जो कि पशुपालकों की चिंता का कारण बना हुआ है। विश्वविद्यालय पशुचिकित्सकों की टीम बनाकर संक्रमण ग्रस्त पशुओं में सैम्पलिंग एवं इसकी रोकथाम हेतु प्रयास करेगा। साथ ही महाविद्यालयों के इन्टर्नशिप एवं पी.जी छात्रों की टीमे बनाकर जिले की गौशालाओं में संक्रमण की स्थिति को नियंत्रण करने का प्रयास भी किया जायेगा। कुलपति ने बताया कि पशुपालन विभाग के पशुचिकित्सा अधिकारियों को इस रोग के रोकथाम के उपायों से भी वेटरनरी विश्वविद्यालय समय-समय पर अवगत करायेगा ताकि प्रदेश में इस रोग के संक्रमण को रोका जा सके। इसके साथ ही पशु विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रसार गतिविधियों के माध्यम से राज्य के पशुपालकों को लम्पी संक्रमण नियंत्रण हेतु सलाहकारी सेवाएं भी प्रदान की जा रही है ताकि पशुपालकों को संक्रमण से होने वाली आर्थिक हानि से बचाया जा सके।

नई सड़कों के लिए स्वीकृति जारी

बीकानेर,(कासं)। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में नई सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने बताया कि खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के पोलेरा से जोगनाथ तक 5 किमी सड़क के लिए 150 लाख रुपए, फलावाली से 2 पीबी तक 5 किमी सड़क के लिए 150 लाख रुपए, भारत माला रोड पूगल से सीनियर सैकण्डरी स्कूल तक 1 किमी सीसी ब्लॉक के लिए 50 लाख रुपए, 30 आरडी से 8 बीएलडी तक 1.3 किमी सड़क के लिए 39 लाख रुपए, ढाबा सड़क से 7 एसएलडी तक 3.5 किमी सड़क के लिए 42 लाख रुपए तथा धनजी की ढाणी से डेली तलाई तक 8.5 किमी सड़क के लिए 119 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। मेघवाल ने बताया कि इसी प्रकार घेघड़ा से 10 जीएम तक 5 किमी सड़क के लिए 60.50 लाख रुपए, आरडी 797 (मैन कैनाल) से आशापुरा तक 6 किमी सड़क के लिए 81 लाख रुपए, भैरांज फांटे से 3 केठबलूएसएम आबादी तक 5 किमी सड़क के लिए 67.50 लाख रुपए, बल्लर रोड़ से 21/0 किलोमीटर से 3/6 बीजीएम भागू तक 3 किलोमीटर सड़क के लिए 39 लाख रुपए तथा कैला से राजासर भटियान से 4 किमी सड़क के लिए 52 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

तिरंगे की मांग परिषद को देनी होगी

श्रीगंगानगर, (कासं)। देश में स्वतंत्रता की 75 वीं वर्ष गांठ के अवसर पर इसे यादगार बनाने के लिये हर घर तिरंगा विशेष अभियान 13 से 15 अगस्त 2022 तक चलाया जायेगा। तिरंगे की आवश्यकता व मांग जिला परिषद को बताई जा सकती है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद जुनैद ने जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्थानीय निकायों को पत्र प्रेषित कर हर घर तिरंगा कार्यक्रम में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लिये जितने भी झण्डों की आवश्यकता है। उसकी मांग जिला परिषद में 6 अगस्त तक भिजवानी सुनिश्चित की जाये ताकि आवश्यकता अनुरूप तिरंगे उपलब्ध करवाए जा सके। उन्होंने बताया कि एक तिरंगे का मूल्य 20 रूपये निर्धारित है। जिला परिषद के पंजाब नेशनल बैंक के खाता संख्या 11712010000460 आईएफसी कोड पीयूएनबी0117110 में ऑनलाइन राशि जमा करवाकर भी जिला परिषद कार्यालय से तिरंगे प्राप्त किये जा सकते हैं।

'हर रविवार 30 मिनट मलेरिया, डेंगू पर वार' की शपथ ली

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में मौसमी बीमारियों (मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया) को लेकर 7 अगस्त से 'हर रविवार 30 मिनट मलेरिया, डेंगू पर वार' अभियान शुरू किया जायेगा।

युद्ध स्तर पर प्रारंभ होने वाला यह अभियान एक महीने तक लगातार चलेगा, जिसमें विभिन्न गतिविधियां की जायेगी। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह जिला कलेक्ट्रेट परिसर में सभी कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभियान में सहयोग देने की शपथ ली। एडीएम प्रशासन डॉ. हरीतिमा ने सभी कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई कि प्रत्येक रविवार प्रातः 8 से 8.30 बजे तक अपने घरों में कूलर, टंकी, परिण्डे, फ्रिज, ट्रे, फूलदान आदि को रगड़ कर साफ करेंगे। छत पर रखे कबाड़ को हटायेंगे। घरों के आसपास पानी एकत्रित नहीं होने देंगे।

मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया नियंत्रण में अपना सहयोग देंगे। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग के शासन सचिव द्वारा जारी निर्देश की पालना में गंगानगर जिले में वर्षा के बाद होने वाली मौसमी बीमारियों की रोकथाम में सोर्स रिडक्शन कार्यक्रम में गतिशीलता देने के लिये अगस्त माह में अभियान हर रविवार 30 मिनट मलेरिया, डेंगू पर वार चलाया जायेगा। इसके तहत आमजन को जागरूक किया जायेगा कि 7 अगस्त से लेकर प्रत्येक रविवार को सुबह 8 से 8.30 बजे तक परिवार के प्रत्येक सदस्य घर में रखे परिण्डे, कूलर, पानी की टंकी इत्यादि को खाली कर रगड़कर सूखाकर पुनः उपयोग करें ताकि मच्छर के अण्डे एवं लार्वा को नष्ट किया जा सके। इसके अलावा छत पर रखी पुरानी कुर्सियों, पुराने टायर, पुराने मटके, कबाड़ आदि को भी हटा दिया जाये ताकि उनमें बरसात का पानी इकठ्ठा न हो।

गंगानगर में एडीएम प्रशासन डॉ. हरीतिमा ने कर्मचारियों को हर रविवार 30 मिनट मलेरिया डेंगू पर वार करने की शपथ दिलाई।

हरित बीकाणा के विजेता होंगे पुरस्कृत

बीकानेर,(कासं)। जिला पर्यावरण समिति एवं उप वन संरक्षक कार्यालय द्वारा 9 अगस्त को प्रातः 8 बजे केन्द्रीय विद्यालय न. 1 बीकानेर में 73 वां जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा।

संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन के निर्देशों की अनुपालना में इस दौरान हरित बीकाणा पुरस्कार के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा। उप वन संरक्षक रंगास्वामी ई. ने बताया कि व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार दुलाराम बेनीवाल को, द्वितीय अरुणा बैस को तथा तृतीय पुरस्कार राजकुमार नायक को दिया जायेगा।

संस्थागत श्रेणी का पहला पुरस्कार आईसीएआर नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर कैमल को, द्वितीय श्रीकृष्ण गौ संवर्धन समिति गंगाशहर को तथा तीसरा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय शिवराज की ढाणी को दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि हराभरा परिसर श्रेणी का पहला पुरस्कार राजकीय डूंगर कॉलेज को, दूसरा आईसीएआर नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर हॉर्स और तीसरा वीर सांवरकर संस्था को दिया जायेगा।

पशुओं की दवा के लिए 12.50 लाख मंजूर

बीकानेर,(कासं)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीकोलायत में आवश्यक पशु दवाईयों एवं वैक्सीन की तत्काल एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करवाने हेतु अपने विधायक निधि कोष से 12.50 लाख रुपये जारी करने के स्वीकृति भी प्रदान कर दी है।

ऊर्जा मंत्री भवर सिंह भाटी ने श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र सहित बीकानेर जिले में पशुओं में तेजी से बढ़ रहे लम्पी रोग संक्रमण पर नियंत्रण हेतु मुख्यमंत्री एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया को संक्रमण की भयावहता की जानकारी देते हुए क्षेत्र में तत्काल अतिरिक्त पशु चिकित्सा अधिकारी, दवाईयां वैक्सीन आदि उपलब्ध करवाने की आवश्यकता जताई है। साथ ही उन्होंने वेटरनरी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पशु चिकित्सा छात्रों कार्मिकों, शिक्षकों एवं ससाधनों का उपयोग इस संकट में लेने का सुझाव भी उच्च स्तर पर दिया है।

मंत्री भाटी ने बताया कि इसमें से 5.00 लाख रुपये पंचायत समिति क्षेत्र श्रीकोलायत, पांच लाख रुपये पंचायत समिति क्षेत्र बज्जू तथा 2.50 लाख रुपये पंचायत समिति बीकानेर के अधीन आने वाली श्रीकोलायत विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों हेतु स्वीकृत किये है। पशु विशेषज्ञों मय दवाई वैक्सीन मोबाइल टीम रवाना करने के लिये निर्देश, ग्राम स्तर पर प्रभारी एवं नियंत्रण केन्द्र स्थापित किए।

- **पशु विशेषज्ञों मय दवाई वैक्सीन मोबाइल टीम रवाना करने के निर्देश दिए**

ऊर्जा मंत्री भाटी ने बताया कि लम्पी स्किन रोग का संक्रमण निरन्तर बढ़ता जा रहा है, साथ ही संक्रमित पशुओं की मृत्युदर भी बढ़ रही है। इसे लेकर पशुपालकों से वे निरन्तर सम्पर्क में है तथा जिला प्रशासन एवं संयुक्त निदेशक पशु चिकित्सा बीकानेर को भी उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में तत्काल पशु चिकित्सक मय पर्याप्त दवाइयाँ वैक्सीन सहित मोबाइल टीमें भेजे जाने के निर्देश दिए हैं।

हर घर तिरंगा अभियान रैली 13 को

बीकानेर,(कासं)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के पहले दिन 13 अगस्त को बाइक रैली का आयोजन किया जायेगा।

संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने इस संबंध में शुक्रवार को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल और पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर बाइक रैली आयोजन के संबंध में चर्चा की। संभागीय आयुक्त ने बताया कि 13 अगस्त को शहर के 5 अलग-अलग स्थानों से प्रातः 7.30 बजे बाइकर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा। इस दौरान लक्ष्मीनाथ मंदिर, ग्रामीण हॉट, बीएसएफ कैम्पस, आरएसी कैम्पस और एमएम ग्राउंड से 100-100 बाइकर्स रैली में भाग लेंगे। बाइकर्स शहर के विभिन्न स्थानों से होते हुए डॉ. करणी सिंह स्टेडियम पहुंचेंगे जहां राष्ट्रगान के साथ बाइक रैली का समापन होगा।

कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि रैली में उच्च शिक्षा और स्कूलों शिक्षा विभाग, पुलिस और बीएसएफ के जवान हिस्सा लेंगे। रैली की व्यवस्थाओं के लिए नगर विकास न्यास सचिव को प्रभारी बनाया गया है। बैठक में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए. एच. गौरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आमजन की समस्याएं सुनी

बीकानेर,(कासं)। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने ग्राम दियातरा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई की और आमजन के अभाव-अभियोग सुने।

इस दौरान पानी-बिजली, चिकित्सा, ग्रामों की समस्याओं के बारे में ग्रामीणों ने परिवेदनाएं दी। उन्होंने ग्राम स्तरीय अधिकारियों को प्राप्त परिवेदनाओं का समय पर निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर विकास अधिकारी दिनेश सिंह भाटी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इसके बाद नित्या के. ने दियातरा क्षेत्र में 4 चारागाह का अवलोकन किया और यहां विकसित किए गए विभिन्न प्रजाति के पौधों को देखा।

भूल को स्वीकार कर लेना समझदारी है : मुनि विजयराज

बीकानेर,(कासं)। मानव जीवन में भूल होने की बड़ी संभावना है। हर मानव से भूल होती है। लेकिन भूल को ना समझना अज्ञानता है और भूल को स्वीकार कर लेना समझदारी है। संसार के अन्दर ज्ञात-अज्ञात कई तरह की भूलें होती है, भूल का सुधार करना साधना है। इसलिए भूल को सुधारने का प्रयत्न करना चाहिए।

श्री शान्त क्रान्ति जैन श्रावक संघ के 1008 आचार्य श्री विजयराज महाराज ने सेठ धनराज ढ़ढ्ढा की कोटड़ी में चल रहे चातुर्मास के नित्य प्रवचन में यह बात कही। आचार्य श्री ने कहा कि श्रावक को अपना चिर स्थिर करना चाहिए।

अगर कोई भूल हो जाए और कोई भूल के बारे में चेताया है तो उसे सहज स्वीकार कर लेना चाहिए। महाराज साहब ने कहा यह याद रखो कि भूल करने वाले की दुर्गति होती है। कबूल करने वाले की सद्गति होती है। महाराज साहब ने कहा कि क्षमा करने वाला कभी छोटा नहीं होता और क्षमा करने वाला भी कभी छोटा नहीं होता।

अपने भीतर उत्तराध्यन सूत्र में लिखा है, क्षमा करने वाला अपने भीतर प्रसन्नता का भाव पैदा करता है। इसलिए अपने अंदर बड़प्पन का भाव पैदा करो। व्यक्ति उम्र से या धन सम्पदा से और कद- काठी से बड़ा नहीं होता, बड़प्पन से आदमी बड़ा होता है।

इसलिए अपने भीतर आत्मीयता का भाव लाएं, जिसके अंदर आत्मीयता होती है, वही क्षमा कर सकता है। महाराज साहब ने कहा कि साता (सुख) की प्राप्ति के लिए महापुरुषों ने 15 बोल बताए हैं। इसके तीसरे बोल में कहा गया है कि हमने अगर किसी की भूल को माफ कर दिया। नजरअंदाज कर दिया वह सामने वाले को भी नहीं स्वयं को भी प्रसन्न करता है।

भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण दिवस पर लड्डू चढ़ाया, वरघोड़ा निकाला

बीकानेर,(कासं)। जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ की साध्वीश्री मृगावती श्रीजी म.सा, साध्वी श्री सुरप्रिया व नित्योदाया श्रीजी म.सा.के सानिध्य में शुक्रवार को रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे से सौभाग्य कल्पवृक्ष तपस्वियों की शोभायात्रा निकाली गई।

भुजिया बाजार के चिंतामणि जैन मंदिर होते हुए शोभायात्रा नाहटा चौक के भगवान आदिनाथ मंदिर पहुंचकर वापस गंतव्य स्थल तक पहुंची। भगवान आदिनाथ मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ, दादा गुरूदेव व अन्य देवालयों में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण दिवस पर लड्डू चढ़ाया गया। साध्वीवृंद के नेतृत्व में श्रावक-श्राविकाओं ने भजन व स्तुतियों की प्रस्तुति दी। शोभायात्रा में शामिल श्रावक-श्राविकाएं जैन धर्म, भगवान पार्श्वनाथ व आदिनाथ आदि देवों के जयकारे लगा रहे थे। वहीं तपस्वी कनिका बोथरा पत्नी धर्मनिष्ठ श्रावक स्व. केशरीचंद बोथरा चांदी के कल्पवृक्ष को सिर पर लेकर मंत्र जाप करते हुए चल रही थीं। मंदिर में नवंकार महामंत्र सहित विभिन्न मंत्रों का जाप किया गया।

बीकानेर में रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे से सौभाग्य कल्पवृक्ष तपस्वियों ने शोभायात्रा निकाली।

साध्वीश्री मृगावतीश्री ने सुगनजी महाराज के उपासरे में जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के आदर्शों का स्मरण दिलाया। उन्होंने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ का जन्म लगभग 2 हजार 900 साल पूर्व वाराणसी में हुआ। वाराणसी में अश्वसेन नाम के इक्षवाकुवंशीय राजा की रानी वामा ने पौष कृष्ण एकादशी के दिन महातेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिनके शरीर पर सर्प का चिन्ह था। इसलिए इनका नाम पार्श्व रखा गया।

- **भगवान पार्श्वनाथ के आदर्शों का स्मरण दिलाया**

राजकुमार के रूप में भगवान पार्श्वनाथ ने पूजा के लिए जलाये जा रहे अलाव में एक सर्प के जोड़े को जलते देखकर कहा कि दयाहीन धर्म किसी काम का नहीं है। उन्होंने तीस वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की तथा 83 दिन काशी में कठोर तपस्या के बाद 84 वें दिन केवल ज्ञान प्राप्त किया। साध्वीजी नें बताया कि भगवान पार्श्वनाथ का निवाण श्रावण शुक्ल सप्तमी को पारसनाथ की पहाड़ी, झारखंड श्रीसम्मेदशिखर तीर्थ में हुआ।

भगवान आदिनाथ, भगवान महावीर, के बाद जैन धर्म में सर्वाधिक लोकप्रिय, वंदनीय भगवान पार्श्वनाथ के जैन के साथ अजैनों मे बौद्धधर्म के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन व वंदन किया।

जैविक खेती को बढ़ावा देने का प्रयास हों : कलेक्टर

बीकानेर,(कासं)। माटी परियोजना के दूसरे चरण के तहत गाढ़वाला के चयनित पचास किसानों के साथ शुक्रवार को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम हो और उत्पादन बढ़े, इसके लिए छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान परम्परागत खेती के साथ नई तकनीकें भी अपनाएं। उन्होंने पशुपालन और उद्यानिकी पर भी जोर दिया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि आज खेती को व्यवसाय के तौर पर लेने की जरूरत है। किसान सामूहिक रूप से कृषि करें, जिससे लागत कम हो। कृषि की तकनीकें अपनाते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने का प्रयास हो। जिला कलेक्टर ने बताया कि माटी परियोजना के पहले चरण में जिले के 457 गांवों में कृषक गोष्ठियां आयोजित की गई। इनमें लगभग 15 हजार किसानों से सीधा संवाद स्थापित हुआ। दूसरे चरण में जिले के ग्रामीण क्षेत्र के पांचों विधानसभा क्षेत्रों के पांच-पांच गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों के पचास-पचास किसानों का व्यक्तिगत फॉर्म प्लान तैयार किया गया है। इन किसानों की खेती योग्य भूमि, संसाधन, फसल की स्थिति, आय की स्थिति की समीक्षा करते हुए इन्हें विभिन्न सावधानियों के साथ वैज्ञानिक तरीके से खेती करने का आव्हान किया गया है। उन्होंने कहा कि माटी परियोजना के माध्यम से कृषि और कृषक से जुड़े सभी विभागों का तकनीकी ज्ञान किसानों तक पहुंचाने के प्रयास किए जायेंगे।

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने माटी परियोजना में चयनित किसानों से संवाद किया।